हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 6 अप्रैल 2024

11 अपनी भाषा संस्कृत व हिंदी को अच्छी तरह से जानें विद्यार्थी

12 गांव झींझर के लोगों को किया मतदान के प्रति जागरूक

खबर संक्षेप

तोशाम मंडी में आज जारी नहीं होंगे गेट पास : सचिव

तोशाम। अनाज मंडी तोशाम में सरसों की फसल बिक्री के लिए छह अप्रैल को गेट पास जारी नहीं किए जाएंगे। मार्केट कमेटी सचिव ने किसानों से छह अप्रैल को फसल मंडी में लेकर नहीं आने का अनुरोध किया है। सचिव सुदेश ने बताया कि जिला प्रशासन के आदेशानुसार 6 अप्रैल को मंडी में गेट पास जारी नहीं किए जाएंगे। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि 6 अप्रैल को अनाज मंडी तोशाम में सरसों लेकर न आएं।

पूर्वमंत्री अमरसिंह की जयंती कल मनाएंगे

भिवानी। हरियाणा सरकार में चार बार मंत्री रहे स्वर्गीय अमर सिंह धानक की जयंती सात अप्रैल रविवार को बवानीखेड़ा के कमाल मंदिर में धूमधाम से मनाई जाएगी। सुनील सोलंकी ने बताया कि पूर्व मंत्री स्वर्गीय अमरसिंह धानक का जन्म 7 अप्रैल 1930 को हुआ था, वे चार बार हरियाणा में मंत्री बने और अनेक सामाजिक कार्यों में बढ़ चढकर भाग लिया और अंतिम सांस तक समाजसेवा की। जयंती समारोह में उनके पौत्र नमन धानक बतौर मुख्यतिथि उपस्थित होंगे।

संडवा में घर से लाखों के गहने व नकदी चोरी

तोशाम। क्षेत्र के गांव संडवा में चोरों ने रात्रि के दौरान एक घर में से एक लाख 48 हजार रुपए की नगदी सहित लाखों रुपए के सोने.चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। जिसकी शिकायत पीड़ित मकान मालिक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को दी है। संडवा निवासी बलवान ने बताया कि गति 3 अप्रैल की रात्रि अज्ञात चोरों ने उसके घर में घुसकर घर के अंदर रखे एक लाख 48 हजार रुपए नगद तथा 100 ग्राम सोनाए 4 जोड़ी चांदी की पाजेब चोरी कर लिए। जिससे उसे करीबन 9 लाख का नुकसान हुआ है। इसकी शिकायत पीड़ित मकान मालिक ने पुलिस को देकर पुलिस से चोरों का पता लगाकर चोरी हुए लाखों रुपए कीमत के सोने.चांदी के आभूषण तथा नगदी बरामद करवाने की गुहार लगाई है।

थाना प्रभारी शिवकुमार ने फसल लेकर आए किसानों को आश्वासन देकर खुलवाया जाम

किसानों ने एक घंटे सिवानी मार्ग पर लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

तोशाम अनाज मंडी में अपनी फसल बेचने आए किसानों ने शुक्त्रवार को सुबह सरसों खरीद से संबंधित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनाज मंडी के बाहर करीबन एक घंटे तक सिवानी मार्ग जाम रखा, जिससे रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान थाना प्रभारी शिव कुमार ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझा.बूझाकर जाम खुलवा दिया।

तोशाम अनाज मंडी में अपनी फसल बेचने आए किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सुबह करीबन 10 बजे सिवानी मार्ग पर जाम लगा दिया और धरना देकर किसान रोड के बीच में बैठ गए। गांव खरकड़ी निवासी किसान राखी, मोती, गांव खरकड़ी माखवान निवासी किसान अनिल, सुरेश तथा गांव आलमपुर निवासी किसान कुलदीप व सुरेंद्र आदि का कहना था कि वह अपनी सरसों की फसल को बेचने के लिए तोशाम अनाज मंडी में आए थे लेकिन संबंधित विभाग के लापरवाही के चलते पहले ही अनाज मंडी में खरीदी गई सरसों का उठान नहीं हो पा रहा है। वहीं किसानों से खरीदी गई सैकड़ो ट्रैक्टर.ट्रॉली सरसों की भरी हुई खड़ी है, लेकिन उन्हें खाली नहीं करवाया जा रहा। किसानों का कहना था कि पहले ही किसान मौसम की मार को झेले हुए हैं जिससे किसान की पैदावार कम हुई है वहीं अब जैसे.तैसे सरसों की फसल को निकाल कर बेचने की उम्मीद से किसान मंडी में पहुंचा है तो वहां पर भी ट्रैक्टर.ट्राली में लदी खड़ी सरसों की फसल को खाली नहीं करवाया जा रहा और सरसों की फसल का उठान नहीं हो पा रहा है। किसानों का यह भी आरोप था कि सरसों खरीद के दौरान करीबन 2 किलोग्राम तक का कांटा काटा जा रहा है वहीं झार लगाने की भी बात कही जा रही है, जिससे किसान को अनेक परेशानियों के साथ.साथ काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

■ सरसों का नहीं हो पा रहा है उठान

अपनी इन विभिन्न मांगों को लेकर किसान सुबह तोशाम अनाज मंडी के बाहर सिवानी मार्ग के बीचो.बीच बैठ गए और रोड को जाम कर दिया। इस दौरान तोशाम थाना प्रभारी शिवकुमार मौके पर पहुंचे और किसानों को आश्वासन देकर जाम खुलवा दिया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी शिवकुमार ने बताया कि किसानों ने अपनी कुछ मांगों को लेकर रोड जाम कर दिया था। लेकिन किसानों से बात की तो किसानों ने जाम खोल दिया। तत्पश्चात तहसीलदार को किसानों के समक्ष बुलाकर किसानों की मार्केट कमेटी सचिव के साथ बातचीत करवाई गई जिस पर संबंधित अधिकारी किसानों की समस्याओं का हल करने में लगे हुए थे।

भिवानी। जाम के दौरान सड़क पर बैठे किसान।

भिवानी। किसानों को समझाते पुलिस अधिकारी।

भिवानी। लिफ्टिंग न होने से मंडी में पड़ी सरसों की फसल।

आज नहीं खरीदी जाएगी सरसों

भिवानी। जिला में मंडियों में मेरी फसल.मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण के आधार पर सरसों की खूब आवक हो रही है। आवक के साथ.साथ खरीद कार्य भी सुचारू ढ़ंग से चल रहा है। कुछ मंडियों में सरसों की आवक ज्यादा आने से व उठान कार्य में तेजी लाने के लिए छह अप्रैल को खरीद कार्य को बंद कर दिया गया है। डीसी नरेश नरवाल ने बताया कि जिला में सरसों की खरीद का कार्य पुरजोर से चल रहा है। खरीद से संबंधित अधिकारियों को खरीद कार्य नियमित रूप व सुचारू ढंग से चलाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। संबंधित एसडीएम द्वारा भी मंडियों का दौरा कर सरसों खरीद कार्य का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। उन्होंने बताया कि मंडियों में सरसों की आवक बहुत अधिक हो गई है, जिसके चलते उठान कार्य में समय की जरूरत है। छह अप्रैल को सरसों की खरीद नही की जाएगी। उन्होंने बताया कि तोशाम, लोहारू, ढिगावा,बहल, जुई व सिवानी मंडी में सरसों का उठान कार्य होगा तथा अनाज मण्डी भिवानी, बवानी खेडा व चांग में सरसों की खरीद जारी रहेगी। एक दिन के लिए सरसों खरीद रोकी गई है ताकि उठान कार्य में तेजी लाई जा सके। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, इसके लिए उठान कार्य में तेजी कर उनकी पेमेंट की अदायगी हो सकेगी। उठान का कार्य पूरा होते ही अगले ही दिन सरसों की खरीद शुरू हो जाएगी। ताकि मंडियों में सरसों की ढेरी डालने के लिए जगह बन सके।

सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट करने का आरोप

तोशाम। मार्केट कमेटी सचिव ने गांव छपार जोगियान निवासी एक व्यक्ति पर तोशाम अनाज मंडी में सरसों की सरकारी खरीद के दौरान शराब पीकर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने तथा गेट पर बैठे कार्यालय के सरकारी कर्मचारियों के साथ गाली.गलौच व मारपीट करने का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत मार्केट कमेटी सचिव ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ पुलिस को दी है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। तोशाम मार्केट कमेटी सचिव सुदेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत वीरवार 4 मार्च को गांव छपार जोगियान निवासी मुंशी राम जोकि शराब पिए हुए था शराब के नशे में उसने तोशाम अनाज मंडी में सरसों की खरीद के दौरान सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की तथा गेट पर बैठे सरकारी कर्मचारियों के साथ गाली.गलौच करते हुए मारपीट की। जिस पर मार्केट कमेटी सचिव ने पुलिस को आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की शिकायत की है।

दादरी मंडी में सुबह पांच बजे से मिलेंगे टोकन

■ बढ़ेगी टोकन काउंटर संख्या उपायुक्त मनदीप कौर ने दादरी मंडी का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

फसल बिक्री के दौरान अगर किसानों को परेशानी आती है तो संबंधित अधिकारी कार्यवाही के लिए तैयार रहें। फसल बिक्री के दौरान केवल किसान और उसके लिए की जाने वाले सुविधाएं ही प्राथमिकता है। उपायुक्त मनदीप कौर ने शुक्रवार को दादरी अनाजमंडी का औचक निरीक्षण किया और किसानों को फसल बेचने में देरी न हो, इसके लिए तुरंत टोकन काउंटरों की संख्या बढ़ाने और टोकन का समय सुबह 5 बजे से शुरू करने के सख्त निर्देश दिए हैं। शुक्रवार दोपहर को उपायुक्त अचानक अनाजमंडी में पहुंच गई और सड़क पर फसल लेकर ट्रैक्टरों के साथ लाइन में खड़े किसानों से बातचीत की व उनसे फसल बिक्री के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। किसानों ने बताया कि टोकन कटने में समय लगता है, जिसके कारण पूरा दिन खराब हो जाता है, अगर टोकन व्यवस्था में सुधार कर दिया जाए तो किसानों को काफी राहत मिलेगी। इस पर उपायुक्त ने मौके पर मंडी सचिव को सख्त निर्देश जारी करते हुए तुरंत टोकन काउंटर की संख्या बढ़वाई और टोकन का समय सुबह 5 बजे तक करने के निर्देश दिए। इससे पहले टोकन सुबह 7 बजे से कटने शुरू होते थे और दोनों गेट पर केवल एक एक काउंटर ही था।

आवक व खरीद का अंतर सोमवार तक करें पूरा

उन्होंने खरीद एजेंसी के अधिकारी को निर्देश दिए कि फसल की आवक के अनुसार खरीद हो और अभी तक आवक व खरीद में जो अंतर है उसे सोमवार तक पूरा करें। उपायुक्त ने मौके पर ही खरीद एजेंसी के चार काउंटर बढ़वाएं। उन्होंने कहा कि फसल बिक्री के दौरान किसान को होने वाली सभी की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये सुनिश्चित करें कि किसानों को कोई परेशानी न आए।

किसानों को नहीं होने दी जाएगी कोई परेशानी

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि फसल बेचने आने वाले किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी आती है तो संबंधित अधिकारी कार्यवाही के लिए तैयार रहे। मंडी एसोसिएशन के साथ बातचीत के दौरान उपायुक्त ने अनुरोध किया कि मंडी में आने वाले किसानों के लिए मानवता के तौर पर जलपान की व्यवस्था करवाएं। उन्होंने मंडी एसोसिएशन के पदाधिकारियों की समस्याओं को सुना और समाधान के निर्देश दिए।

चरखी दादरी। किसान से बातचीत करती उपायुक्त मनदीप कौर।

चुनाव प्रक्रिया के लिए संसाधनों की कमी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

■ प्रशासन के पास पर्याप्त संख्या में ईवीएम, चुनाव सामग्री : नरेश

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी नरेश नरवाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए जिला में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रशासन के पास पर्याप्त संख्या में ईवीएम और चुनाव सामग्री है। लोकसभा चुनाव की प्रक्त्रिया पूरी करवाने के लिए जिला प्रशासन के पास संसाधनों की कमी नहीं है। नागरिकों को अपने मत का प्रयोग करने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

डीसी श्री नरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों को उनके मत का प्रयोग करने के लिए जिला में कुल 912 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इनमें 54.लोहारू विधानसभा क्षेत्र में 230 बूथ, 57.भिवानी विधानसभा क्षेत्र में 220 बूथ,58.तोशाम विधानसभा क्षेत्र में 233 बूथ तथा 59. बवानीखेड़ा. एससी विधानसभा क्षेत्र में 229 बूथ बनाए गए हैं। सभी मतदान बूथों को चैक किया गया है। मतदान केंद्र पर पेयजल व बिजली और शौचालय आदि सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके लिए संबंधित सेक्टर ऑफिसर को निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके अलावा विधानसभा क्षेत्रों के संबंधित एआरओ द्वारा पोलिंग बूथों को चैक किया जा रहा है ताकि समय रहते किसी भी प्रकार की कमी को पूरा किया जा सके। मतदान के लिए जिला प्रशासन के पास पर्याप्त संख्या में सामग्री उपलब्ध है। जिला में बनाए गए 912 पोलिंग बूथों पर मतदान प्रक्त्रिया सम्पन्न करवाने के लिए 1914 बैलेट यूनिट, 1196 कंट्रोल यूनिट तथा 1292 वीवी पैट हैं जो कि पर्याप्त संख्या में है। एक बैलेट यूनिट में 16 प्रत्याशियों के चिन्ह आते है, अगर प्रत्याशी 16 से अधिक होते है तो दूसरी बैलेट यूनिट का प्रयोग होगा, उस हिसाब से भी प्रशासन के पास पर्याप्त संख्या में बैलेट यूनिट उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए अलग.अलग टीमों का गठन किया गया है। चार सहायक खर्च पर्यवेक्षक टीम व चार लेखा निगरानी टीम, 21 वीडियो निगरानी टीम, चार वीडियो वीविंग टीम, 22 फ्लाईंग स्कवेयड टीम हैं। जिला में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि रोकने व वाहनों की तलाशी के लिए विभिन्न स्थानों पर 14 नाके लगाए गए हैं।

पेड़ से टकराई असंतुलित बाइक, दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

चौ. बंसीलाल कॉलेज के पास एक मोटरसाइकिल असंतुलित होकर पेड़ से जा टकराई। मोटरसाइकिल की गति इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल के परखचे उड़ गए और मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। लोहारू पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए लोहारू सीएचसी के शव गृह में रखवा दिया। दो युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर भिवानी रोड से लोहारू की ओर आ रहे थे। इस दौरान दादरी रोड टी प्वाइंट से निकलते ही उनकी मोटरसाइकिल वहां लगे किमी पिल्लर से टकराकर एक पेड़ में जा टकराई। कथित रूप से मोटरसाइकिल की गति तेज होने के कारण दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एचसी कृष्णा और डायल 112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में लेते हुए उन्हें लोहारू सीएचसी के शव गृह में रखवा दिया। जांच अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक दोनों युवकों की पहचान उनके आधार कार्ड के आधार पर हुई है। जिसके अनुसार करीब 34 वर्षीय मृतक युवक प्रदीप रोहतक का रहने वाला है और करीब 25 वर्षीय युवक रोशन पंचकूला बरवाला का रहने वाला है। मृतकों के परिजनों को इसकी सूचना दे दी है। मृतक दोनों युवक कथित रूप से किसी मुर्गी फार्म में काम करते थे।

मत प्रतिशत बढ़ाने के प्रचार में जुटें कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से निवर्तमान सांसद धर्मबीर सिंह ने दादरी गेट स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में भाजपा नगर मंडल, केशव मंडल व विवेकानंद मंडल सदस्यों की बैठक ली और उन्हें लोकसभा चुनाव को लेकर आवश्यक जिम्मेदारी सौंपी। मंच संचालन जिला महामंत्री हर्षवर्धन मान ने किया। बैठक में विधायक घनश्यामदास सर्राफ, संदीप श्योराण, विरेंद्र कौशिक, भिवानी विस संयोजक धर्मेन्द्र जिंदल उपस्थित रहे। बैठक में तीनों मंडल अध्यक्ष विनोद चावला, राजेश जांगड़ा व विकास काठपालिया ने निवर्तमान सांसद धर्मबीर सिंह का पौधा भेंटकर अभिनंदन किया।

निवर्तमान सांसद ने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान व मत प्रतिशत बढ़ाने को लेकर लोगों के बीच जाकर ज्यादा से ज्यादा पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करें। पीएम मोदी ने जनता को जो गारंटी दी है, उससे भाजपा तीसरी बार केन्द्र में सरकार बनाएगी। प्रत्येक कार्यकर्ता ने भिवानी में कमल खिलाने में अपनी भागेदारी सुनिश्चित की और जोश के साथ जीत का संकल्प दिलवाया। विधायक घनश्याम सर्राफ ने 11 मार्च को भिवानी के हुडा ग्राउंड होने वाली विजय संकल्प रैली का न्योता दिया और कहा कि रैली में मुख्यरूप से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उपस्थित होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय व सड़कों के निर्माण के मुद्दे को लेकर भिवानी में चुनाव लड़ेगी। इस अवसर पर रामदेव तायल, सोहनलाल मक्कड़, एडवोकेट अविनाश सरदाना, बिशंबर अरोड़ा, मुकेश रहेजा, हर्षदीप डुडेजा, मुकेश प्रजापति, सज्जन खनगवाल, चंदा गुप्ता, शिवराज बागड़ी, कमल किशोर, सुनील वर्मा नंबरदार, संजय दुआ, निर्मला लखेरा, रूबी नारनौलिया, संदीप यादव, प्रीतम अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। जनसभा को संबोधित करते धर्मबीर सिंह।

हवा के झोंकों से बिखरी फसलें, कटाई में तेजी से जुटे किसान

मौसम का बदला मिजाज, बूंदाबांदी ने बढ़ाई टेंशन

■ तेज बरसात हुई तो कटाई और कढ़ाई का कार्य होगा प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शुक्रवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। अल सुबह ही आसमान काली घटाओं से अट गया। धीमी गति से हवा चलने की वजह से हलकी बूंदाबांदी हुई। जिसकी वजह से किसानों की टेंशन बढ़ गई। क्योंकि इस वक्त किसान अपनी फसलों की कटाई में जुटे है। अगर मौसम का मिजाज बदलता है तो फसलों की कटाई का कार्य पूरी तरह से प्रभावित होगा। मौसम बदलता देख कर किसानों ने फसलो की कटाई के कार्य में तेजी ला दी है।

सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त आसमान काले बादलों से अटा हुआ था। धीमी गति से हवा चल रही थी। जैसे ही दिन चढ़ा तो हवा ने गति पकड़ी। हवा के साथ साथ आसमान से काली घटाओं से बूंदाबांदी शुरू हो गई। करीब एक मिनट तक हलकी बूंदाबांदी होती रही। उसके बाद फिर से हवा ने ओर गति पकड़ी। बूंदाबांदी पर ब्रेक लग गया। तेज हवा से किसानों के खेतों में पड़ी सरसों की फसल हवा के साथ खेतों में बिखर गई। गेहूं व जौ की फसल भी बिखरी। हालांकि हवा का तेज झौका ज्यादा देर तक नहीं चला,लेकिन थोड़ी देर के झौंके ने ही फसलों को जमीन पर बिखेर दिया। दोपहर तक किसान अपनी फसलों को इकट्ठा करने में जुटे रहे। किसानों ने बताया कि अगर इस वक्त हलकी सी भी बारिश आ जाती है तो उनकी फसलों की कटाई व कढाई का कार्य प्रभावित होना लाजिमी है। क्योंकि इस वक्त फसले पूरी तरह से पक कर तैयार है। कटाई का कार्य चल रही है। जरा सी बारिश से फसलों मे नमी बन जाएगी। जो कि फसलों की कढाई में परेशानी खड़ी करेगी। चूंकि थोडी सी नमी की वजह से फसलों की कटाई व कढाई का कार्य पूरी तरह से बाधित हो जाता है। ऐसे में किसान चाह रहे है कि अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ रहे तो वे आराम से फसलों की कटाई व कढाई का कार्य कर सकते है। अगर हलकी सी भी बारिश हुई तो उनकी फसलो को निकालने में देरी होना लाजिमी है।

भिवानी। आसमान में छाए बादलों का दृश्य।

अवैध रिवॉल्वर व गांजा सहित युवक पकड़ा

बाढ़ड़ा। पुलिस टीम ने गांव डांडमा से युवक को अवैध हथियार व नशीले पदार्थ सहित पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने उक्त युवक से एक अवैध देशी रिवॉल्वर, एक कारतूस व 550 ग्राम गांजा बरामद कर बाढ़ड़ा पुलिस थाना में बीती शाम केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव डांडमा निवासी युवक नशीला पदार्थ लिए डांडमा बस अड्डे पर खड़ा है और वह उसे बेचने की फिराक में हैं। पुलिस ने रेड की और मौजूद युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी को मौके पर बुलाकर नियम अनुसार तलाशी ली तो उसकी जेब से 550 ग्राम गांजा बरामद हुआ। वहीं उसकी जेब में अवैध देशी रिवॉल्वर मिला, जिसमें एक जिंदा कारतूस लोड था।

अब एक कॉल पर घर बैठे बीमार पशु का इलाज

■ ग्रामीणों के लिए मददगार मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा

भिवानी। पशुपालकों को घर बैठे एक फोन पर पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गांवों में भी मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा की शुरुआत की है। जिसके बाद अब गांवों के पशुपालकों को अपने पशुओं के इलाज के लिए शहरों की तरफ रूख नहीं करना पड़ेगा तथा घर पर ही अपने बीमार पशुओं का ईलाज करवा सकेंगे। इस बारे में पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डाए रविंद्र सहरावत ने बताया कि इस योजना की शुरूआत 25 फरवरी 2024 को महेंद्रगढ़ से की गई थी। इसके अंतर्गत 70 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई एवं 10 कॉल सेंटर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पशुओं को उचित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे है तथा अनुभवी डॉक्टरों की टीम गांवों और छोटे शहरों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने का काम कर रहे है। इसी श्रृंखला में भिवानी जिला को 6 मोबाइल पशु चिकित्सा वैन दी गई है। प्रत्येक एंबुलेंस के साथ एक पशु चिकित्सक और एक फार्मासिस्ट भी उपलब्ध रहते हैए जो कि आपात स्थिति में पशुपालक की मदद कर ते है। डा. रविंद्र सराहवत ने बताया कि पशुपालक टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर बीमार पशु के ईलाज के लिए सहायता बुला सकते है। उपनिदेशक डा. रविंद्र सहरावत ने बताया कि यह पहल गांवों के पशुपालकों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगी तथा पशुपालकों को अपने पशुओं के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीण पशुपालक समुदाय के लिए एक सराहनीय कदम है, जो उन्हें पशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण की देखभाल करने में मददगार साबित होगा।

दुनिया में सबसे बड़ा सांप अनाकोंडा है, जो 10 मीटर लंबा और 250 किलो वजनी हो सकता है।

यंगभूमि

दुनिया में सबसे अधिक विविधता वाले जानवर कीड़े हैं, जिनकी 10 लाख से अधिक प्रजातियां हैं।

गर्भवती महिलाओं को आंगनबाड़ी से मिलती हैं कई सुविधाएं

नालेज

यंगभूमि डेस्क

गर्भवती महिला तथा उनके बच्चों को भोजन की किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होती है। आंगनबाड़ी केंद्र को 2 अक्टूबर 1975 को पूरे भारत में शुरू किया गया था। इसका मुख्य लक्ष्य बच्चों, गर्भवती महिला तथा दूध पिलाने वाली माताओं की स्वास्थ्य पोषण और विकास की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। गर्भधारण के दौरान महिलाएं अपना तथा अपने बच्चों का पूर्ण ध्यान रखें, उनमें कितना वजन होना चाहिए उन्हें क्या खाना चाहिए, तथा जन्म के बाद बच्चे की पूरी देखरेख जैसे उसमें कितना वजन है, बच्चों को कोई बीमारी तो नहीं है इत्यादि जांचना आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का काम होता है।

नवजात बच्चों को सुविधा

आंगनबाड़ी माता एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं विकास संबंधित सहायता करती है। आंगनबाड़ी के जरिए नवजात शिशु तथा गर्भवती महिलाओं को कई तरह की सुविधा प्रदान की जाती है। आंगनबाड़ी में नवजात शिशु और 6 साल से कम आयु के बच्चों की देखरेख की जाती है। आंगनबाड़ी की ओर से 3 से 6 वर्ष तक बच्चों को शिक्षा दी जाती है। आंगनबाड़ी केंद्र में 6 वर्ष तक आयु को बच्चों को पोषण आहार दिया जाता है। आंगनबाड़ी के कर्यकर्ता बच्चों के खान-पान पर विशेष ध्यान देते है। यदि कोई बच्चा कुपोषित है तो उन्हें तुरंत अस्पताल भेजना तथा स्वास्थ्य सुविधा आंगनबाड़ी की तरफ से प्रदान की जाती है। अगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की तरफ से पूरी कोशिश की जाती है कि नवजात बच्चों को कोई भी बीमारी नहीं हो तथा वह कुपोषित नहीं हो और उनका स्वास्थ्य ठीक रहे।

गर्भवती महिलाओं को सुविधा

अगर इस बारे में बात करें कि आंगनबाड़ी केंद्र की तरफ से गर्भवती महिलाओं को क्या-क्या सुविधा दी जाती है तो आपको बता दें कि केंद्र की तरफ से गर्भवती महिलाओं को कई तरह की सुविधा प्रदान की जाती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं को पूरी तरह मार्गदर्शन देती है कि उन्हें अपना ध्यान किस प्रकार रखना है, उन्हें क्या खाना है जो उनके तथा उनके बच्चे दोनों के लिए अच्छा हो। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं को सलाह देती है कि उन्हें क्या करना चाहिए जिससे उनके बच्चे का विकास पूर्ण रूप से हो।

आंगनबाड़ी में देनी होती है जानकारी

गर्भवती महिलाओं कों गर्भधारण के दूसरे महीने में आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर अपना जानकारी देनी होती है। जिसके बाद आंगनवाड़ी केंद्र आपकी पूरी डीटेल्स को आंगनवाड़ी कार्यालय भेज देता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की तरफ से आपको यह जानकारी दी जाती है कि आपकी डिलीवरी कब होगी और आपका कौन-कौन सा इंजेक्शन की जरूरत है।

1500 दी जाती है प्रोत्साहन राशि

डिलीवरी होने के बाद आपको राशन भी दिया जाता है एवं प्रधानमंत्री योजना के तहत आपको 1500 रु प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। यह प्रोत्साहन राशि इसलिए दी जाती है ताकि आप अपने खान-पान का पूरा ध्यान रख सके और अपने बच्चों का विकास सुनिश्चित कर सकें।

इस प्रकार ले सकते हैं सुविधा का लाभ

गर्भवती महिलाओं को यह सारी सुविधा लेने के लिए सबसे पहले आंगनवाड़ी केंद्र में जाकर रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आपको आगनबाड़ी केंद्र में जाना होता है व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सभी जानकारी देनी होती है। प्रेगनेंसी की जानकारी जब आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंच जाती है तो आपको सभी सुविधाओं का लाभ दिया जाता है।

योजना के लिए जरूरी दस्तावेज, आधार कार्ड, वोटर आईडी बैंक, खाता का पासबुक, राशन कार्ड, मोबाइल नंबर, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, इत्यादि।

सुविधा लेने के लिए करना होता है रजिस्ट्रेशन

- इस योजना में आवेदन करने के लिए सबसे पहले आवेदक कों बताये गए सभी दस्तावेजों को अपने पास रखना होता है। आवेदक महिला के पास यह सभी दस्तावेज उपलब्ध होने चाहिए।
- इसके बाद आंगनबाड़ी केंद्र से आपको एक फॉर्म लेना होता है और पूछी गई जानकारी को सावधानीपूर्वक दर्ज करना होता है।
- अब आपको आवेदन फार्म के साथ सभी मांगे गए दस्तावेज लगाने होते हैं।
- इसके बाद आपको अपना एप्लीकेशन फॉर्म आंगनवाड़ी केंद्र में जाकर जमा करवाना होता है।
- इस प्रकार आपका रजिस्ट्रेशन पूरा हो जाता है।
- आपकी डिलीवरी होने के बाद हर महीने आपको 1500 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

अलग-अलग राज्यों में दी जाती है अलग-अलग सुविधा

विभिन्न राज्यों की सरकारों की तरफ से गर्भवती महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्र की ओर से कई तरह की सुविधा प्रदान की जाती है जैसे उत्तर प्रदेश राज्य की तरफ से एक कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं को कई तरह का लाभ दिया जाता है। राज्य के अनुपूरक पोषाहारकार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से बचाने और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाता है। भोजन में हर दिन 600 कैलोरी ऊर्जा और 20-25 ग्राम प्रोटीन शामिल होता है। इसमें गेहूं के आटे की बर्फी, मूंग दाल की खिचड़ी और बेसन जैसी चीजें शामिल होती हैं। हरियाणा में आंगनबाड़ी केंद्रों में गेहूं, चावल, सरसों का तेल, दूध की पैकेट इत्यादि कई तरह का राशन उपलब्ध करवाया जाता है। इन सब के पीछे सरकार का एक ही उद्देश्य है कि नवजात शिशु तथा उसकी माता दोनों स्वस्थ रहें तथा दोनों का सर्वांगीण विकास हो पाए।

कुपोषण को हराने के लिए बनाए गए आंगनबाड़ी केंद्र

आगनबाडी वह केंद्र है जिसमें आंगनबाड़ी केंद्र कों वेतनभागी आंगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा संचालित किया जाता है और आंगनबाड़ी सहायिका उसकी मदद के लिए होती है। भारत में बढ़ती हुई बच्चों की जनसंख्या तथा कुपोषण के लक्षणों को देखते हुए भारत सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्रों को एक विशेष पहचान प्रदान की है। इन केंद्रों पर समाज के गरीब वर्ग के बच्चों को काफी सहायता दी जाती है तथा इन केन्द्रों से गर्भवती महिला और उनको बच्चों को भी कई तरह की सुविधा दी जाती है।

विमानन एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण पेशा

छूना है आसमान, तो एविएशन में कोर्स करेगा आपका सपना पूरा

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

युवाओं की बन रहा पहली पसंद

वर्तमान समय में दुनिया भर में हवाई सफर काफी महत्वपूर्ण हो चुका है। इसीलिए इसको काफी आसान और एडवांस भी बनाया जा चुका है तथा हर दिन इसमें नई नई तकनीक का उपयोग हो रहा है, ऐसी स्थिति में यहां पर अनेक तरह के विभाग और अनेक प्रकार के क्षेत्र देखने को मिलते हैं। जिनके तहत विभिन्न प्रकार के पद निर्धारित किए गए हैं। इन सभी पदों पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाती है तो अगर आप भी एविएशन के क्षेत्र में करियर देखने की चाह रखते हैं, तो यह आपके लिए एक बेहतरीन मौका हो सकता है।

एविएशन कोर्स एक प्रशिक्षण कार्यक्रम होता है जो उन छात्रों के लिए है जो एविएशन के क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में

क्या है एविएशन कोर्स

छात्रों को एक स्किल सेट और तकनीकी ज्ञान प्रदान किया जाता है जो उन्हें एविएशन उद्योग में काम करने में सक्षम बनाते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एविएशन क्षेत्र में योग्य और तकनीकी संभावनाओं को उद्घाटित करना है। इस कोर्स को करने के बाद कोई भी छात्र एविएशन के क्षेत्र में अपने हुनर के आधार पर पद हासिल कर सकता है और आप भली-भांति जानते ही हैं कि वर्तमान समय में एविएशन के क्षेत्र में कितना बड़ा और कितना अच्छा स्कोप है।

एविएशन इंजीनियरिंग

एविएशन इंजीनियरिंग एक उच्च गुणवत्ता वाला तकनीकी कोर्स है, जो एयरक्राफ्ट की तकनीकी मरम्मत और परीक्षण से संबंधित होता है। इस कोर्स के माध्यम से उम्मीदवारों को एयरक्राफ्ट के संरचना, यांत्रिक विज्ञान, नवीनतम तकनीकी विकास और मरम्मत तकनीकों में सक्षमता प्राप्त होती है।

एयर होस्टेस कोर्स

एयर होस्टेस या एयर स्टीवर्ड एक लोकप्रिय एविएशन कोर्स है जिसमें उम्मीदवारों को एयरलाइंस के सेवा क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स में उम्मीदवारों को यात्री सुविधाओं, सुरक्षा के नियमों और सामाजिक और पेशेवर क्रियाकलापों के बारे में शिक्षा दी जाती है। इस कोर्स से उम्मीदवार एयर होस्टेस या एयर स्टीवर्ड के रूप में काम करने के लिए तैयार होते हैं।

एविएशन मैनेजमेंट कोर्स

एविएशन मैनेजमेंट कोर्स उन उम्मीदवारों के लिए होता है जो एविएशन क्षेत्र में प्रबंधन करने के लिए तैयार होते हैं। इस कोर्स में उम्मीदवारों को एविएशन व्यवसाय के निर्माण, प्रबंधन, संचालन और विपणन के बारे में शिक्षा दी जाती है। इस कोर्स के अंतर्गत उम्मीदवारों को समाज और संचार माध्यमों के माध्यम से विपणन के बारे में भी शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स एक अधिकांश स्तरों पर उपलब्ध है जैसे कि स्नातक और स्नातकोत्तर तक।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल कोर्स

एयर ट्रैफिक कंट्रोल कोर्स उन उम्मीदवारों के लिए होता है जो उड़ानों को नियंत्रित करने के लिए तैयार होते हैं। इस कोर्स में उम्मीदवारों को उड़ानों के रूट और उनकी संख्या, आपदा प्रबंधन, ट्रैफिक विन्यास, फ्लाइट कंट्रोल तकनीक, टेक्निकल शब्दों का उपयोग और एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट के बारे में शिक्षा दी जाती है। इस कोर्स के अंतर्गत उम्मीदवारों को एयर ट्रैफिक कंट्रोल के लिए आवश्यक योग्यता प्राप्त करने के लिए ट्रेनिंग दी जाती है।

पायलट कोर्स

पायलट कोर्स उन उम्मीदवारों के लिए होता है जो विमान उड़ाने के लिए तैयार होते हैं। इस कोर्स में उम्मीदवारों को विमान उड़ाने की तकनीक, सुरक्षा सम्बंधित प्रक्रियाएं, उड़ान यात्रियों की रख-रखाव और उन्हें समय पर उनके गंतव्य पर पहुंचाने की शिक्षा दी जाती है। इस कोर्स के अंतर्गत उम्मीदवारों को एक अंतिम परीक्षा देनी होती है जिसके बाद वे उड़ान यात्रियों को सुरक्षित रूप से उड़ान देने के लिए पायलट बनने के लिए योग्य माने जाते हैं।

जरूरी योग्यताएं

यह कोर्स काफी महत्वपूर्ण कोर्स है। इसीलिए इस कोर्स हेतु कुछ योग्यताएं निर्धारित की गई है जिसके आधार पर कोई भी विद्यार्थी इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकता है और इसको उसको करने के बाद एविएशन में अपना करियर देख सकता है। तो इस कोर्स के लिए निर्धारित की गई योग्यताएं निम्नलिखित हैं

- इस कोर्स के लिए उम्मीदवार की आयु कम से कम 17 वर्ष होनी चाहिए।
- एवियशन कोर्स के लिए विद्यार्थी का बारहवीं कक्षा पास होना जरूरी है।
- कुछ शिक्षण संस्थान इस कोर्स के लिए स्नातक डिग्री की भी मांग करते हैं।
- इस कोर्स को करने के लिए विद्यार्थी का शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना चाहिए।
- एविएशन इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए विद्यार्थी को अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- विद्यार्थी के 12वीं कक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त होने चाहिए।
- विद्यार्थी को 12वीं कक्षा फिजिक्स और गणित विषय के साथ ही पास करनी होती है।
- विद्यार्थी के पास सभी प्रकार के पहचान और शैक्षणिक योग्यता वाले दस्तावेज होने चाहिए।

फीस

यह कोर्स कितना महत्वपूर्ण है और इसकी विशेषता तो अब तक आप जान चुके हैं, तो अब हम यह भी जान लेते हैं कि इस कोर्स को कराने वाले कॉलेज या शिक्षण संस्थान कितनी फीस वसूलते हैं। तो हम आपको बता देते हैं कि इस कोर्स की फीस अलग-अलग शिक्षण संस्थान पर निर्भर करती है। इसके अलावा जगह के आधार पर भी निर्भर करती है। लेकिन सामान्य तौर पर इस कोर्स के लिए विद्यार्थियों को 100000 से लेकर 500000 तक खर्च करने होते हैं। इसके अलावा भी विभिन्न प्रकार के खर्च हो जाते हैं। इस कोर्स की सही फीस पता करने के लिए शिक्षण संस्थान का चयन करके जानना होगा।

बेस्ट इंस्टिट्यूट

दुनिया भर की तरह भारत में अभी वर्तमान समय में काफी एविएशन कोर्स कराने वाले इंस्टिट्यूट है जिनमें से कुछ सर्वश्रेष्ठ इंस्टिट्यूट के नाम हम आपको नीचे बता रहे हैं। आप इनमें से किसी भी इंस्टिट्यूट का चयन करके अपने कैरियर को सफल बनाने के लिए एविएशन कोर्स हेतु आवेदन कर सकते हैं —

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी (दिल्ली)
- इंडियन एविएशन एकेडमी (मुंबई)
- राजस्थान विमान अकादमी (जोधपुर)
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी (उत्तर प्रदेश)
- एविएशन ट्रेनिंग सेंटर (हैदराबाद)

एडमिशन कैसे लें

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए आपको सबसे पहले यह देखना है कि भारत में एवियशन कोर्स कराने वाले शिक्षण संस्थान और कॉलेज कौन-कौन से हैं। उसके बाद आपको यह देखना है कि आप कौन से शिक्षण संस्थान या कॉलेज के तहत कोर्स करना चाहते हैं, अब आपको उस इंस्टीट्यूट्स के वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई करना होगा। छात्रों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।

बच्चों की भी तो सुनना सीखे माता-पिता तथा टीचर, हर बच्चा स्नेह का भूखा

मोटिवेशनल

नरेंद्र यादव

क्या आपने माता-पिता या टीचर के स्थान पर रह कर बच्चों के मन को समझने की कौशिश की है, हो सकता है कुछ ने समझने का प्रयास किया है तथा कुछ शायद बिलकुल सुनने के लिए ही तैयार नहीं होते है क्योंकि कुछ पेरेंट्स अथवा टीचर अपने पिता या माता तथा टीचर के ओहदे से नीचे उतरने के लिए ही तैयार नहीं होते है। एक अध्यापक अपने को शिक्षक कम, अधिकारी ज्यादा समझता हैं, कुछ पेरेंट्स अपने अनुभव का इतना बखान करते है जो अपने ही बच्चो को कहीं बहुत नीचे छोड़ देते हैं। बहुत से पेरेंट्स को अपने बच्चों की बात सुनने का समय ही नहीं है , वो ये कहते है कि आप को जो चाहिए , पैसा , कपड़े , किताबे, बाइक , कार कुछ भी चाहिए, ले लो परंतु उनके पास समय नहीं हैं।

टीचर होना, कोई नौकरी नहीं

टीचर को शायद बच्चों या आप उनको विद्यार्थी कह सकते है, उनको समझने या समझाने का सायक्लॉजिकल ज्ञान नही हैं, और ना ही कुछ टीचर समझना चाहते है क्योंकि वो अपने को शिक्षक समझते ही नही है, उनको शिक्षक होने का अर्थ ही नहीं समझ आता है, उनको शिक्षक होना इतना ही समझ आता है जैसे ये एक नौकरी है, और इससे पैसे मिलते है। मैं यहां ऐसे माननीय शिक्षको को कहना चाहता हूं कि आप अपने पद का अर्थ समझे ताकि आप सभी को अपने पद की गरिमा तथा गौरव समझ में आ सकें। टीचर होना, कोई नौकरी नहीं है ये राष्ट्र के बच्चों के चरित्र निर्माण की ड्यूटी हैं, उनके भविष्य को अच्छे से अच्छा बनाने का भी कर्तव्य हैं । यहां मैं ये नहीं कह रहा हूं कि केवल टीचर की ही ड्यूटी है, यहां माता पिता की ड्यूटी सबसे ज्यादा हैं। मैं ऐसे माता पिता से कहना चाहता हूं जिनके पास पैसे तो है लेकिन समय नहीं है, और केवल पैसों के दम पर अपने बच्चों का पालन पौषण करना चाहते है ऐसे माता पिता के बच्चें दो तरह से रिएक्ट करते हैं पहला तो वो कभी भी आप द्वारा किए जा रहे बिजनेस को नही अपनाएंगे क्योंकि उन्हें उस व्यवसाय के कारण कभी भी स्नेह नही मिल पाया , बच्चो को उस बिजनेस की वजह से दुलार प्यारा नही मिल पाया , दूसरा वो अपने पेरेंट्स को प्यार नही करेंगे क्योंकि जब बच्चों को उनके दुलार की जरूरत थी उस समय वो अपने कामों में बिजी रहें। दूसरा भागीदार है टीचर , जो बच्चों को केवल अपनी नौकरी के अनुसार समय तो देता है परंतु उनकी भीतर की भावनाओं को समझकर उनके मन की बात नही सुनते हैं इसलिए स्टूडेंट अपने टीचर को गुरु नही मानते हैं क्योंकि गुरु वही है जो उनकी रुचि के अनुसार उनकी स्किल को विकसित करने का कार्य करते है, उनकी पढ़ाई, उनके चारित्रिक विकास, उनके मनोभाव, उनकी दिनचर्या, उनके खानपान, उनके पसंद नापसंद का भी ध्यान रखे वहीं तो गुरु है, केवल अक्षर ज्ञान कराने वाले कभी भी गुरु नही बन पाते हैं।

इन नियमों का पालन करें

प्रिय पेरेंट्स , अपने बच्चों को वो ही देना जो सबसे जरूरी है उस पर विमर्श करना बेहद आवश्यक है जैसे ;

- बच्चों के साथ रोज इंटरेक्ट करना।
- बच्चों के साथ एक समय का भौजन करना।
- अपने बच्चों के मन की बात सुनना। और उन्हें सुबह शाम वॉक पर लेकर जाएं तथा खूब बाते करें।
- बच्चों को पैसों से ज्यादा स्नेह देने की आदत विकसित करना।
- बच्चों को महीने में एक दिन किसी भी रिश्तेदार या मित्र के यहां लेकर जाना ताकि उनमें रिश्ते की समझ पैदा हो और झिझक दूर हो सकें।
- बच्चों को कभी भी पैसे से बहलाने की कौशिश ना करें, कभी लालच ना दें।
- बच्चों को कभी भी किसी से कंपेयर ना करें। इससे बच्चों में हीनभावना जन्म लेती हैं।
- अपने बच्चों को कभी भी नेगेटिव शब्दो से प्रताड़ित ना करें।
- बच्चों को प्रसन्न रहने के लिए प्रेरित करें। उनके साथ कुछ कहानी किस्से शेयर करें।
- अपने बच्चों को जीवन में ज्यादा संग्रह करना ना सिखाएं क्योंकि इस से अंतोदय के सूत्र को धक्का लगता हैं।

टीचर से भी विद्यार्थियों के लिए कुछ अपेक्षाएं हैं , हर शिक्षक उन्हे अपने जीवन में जरूर उतारने की कृपा करें, जैसे ; हर टीचर को हरेक विद्यार्थी में अपने खुद के बच्चों की सूरत दिखनी चाहिए। शिक्षक को उनकी कक्षा में पढ़ने वाले हर विद्यार्थी एक समान लगने चाहिए। एक टीचर को हर विद्यार्थी की पांच स्किल पर ध्यान देना चाहिए, पहली स्वास्थ्य, दूसरी चरित्र निर्माण, तीसरा व्यक्तित्व विकास, चौथा उसकी संगत का ध्यान और पांचवी उसकी पढ़ाई लिखाई पर उचित ध्यान देना।

सामान्य ज्ञान

1. हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक मान्यता प्राप्त काल है।
(ए) 2800 ई. पू.-2000 ई. पू.
(बी) 2500 ई. पू. -1750 ई. पू.
(सी) 3500 ई. पू. -1800 ई. पू.
(डी) निश्चित नहीं हो सका है

2. सिंधु घाटी की सभ्यता निम्नलिखित में से किस सभ्यता के समकालीन नहीं थी ?
(ए) मिस्र की सभ्यता
(बी) मेसोपोटामिया की सभ्यता
(सी) चीन की सभ्यता
(डी) ग्रीक की सभ्यता

3. सिंधु घाटी की सभ्यता कहाँ तक विस्तृत थी?
(ए) पंजाब, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर
(बी) राजस्थान, बिहार, बंगाल, उड़ीसा
(सी) पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उड़ीसा और बंगाल
(डी) पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, सिंध और बलुचिस्तान

4. सिंधु घाटी की सभ्यता में घोड़े के अवशेष कहां मिले हैं ?
(ए) सुरकोटदा (बी) वणावली
(सी) लोथल (डी) कालीबंगा

5. सिंधु घाटी स्थल कालीबंगन किस प्रदेश में है ?
(ए) राजस्थान में (बी) गुजरात में
(सी) मध्य प्रदेश (डी) उत्तर प्रदेश

6. निम्नलिखित में से किस पदार्थ का उपयोग हड़प्पा काल की मुद्राओं के निर्माण में मुख्य रूप से किया गया था ?
(ए) सेलखड़ी (बी) कांसा
(सी) तांबा (डी) लोहा

7. हड़प्पा सभ्यता किस युग की थी ?
(ए) कांस्य युग (बी) नवपाषाण युग
(सी) पुरापाषाण युग (डी) लौह युग

8. सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या था ?
(ए) व्यापार (बी) पशुपालन
(सी) शिकार (डी) कृषि

9. हड़प्पा सभ्यता के निवासी थे
(ए) ग्रामीण
(बी) शहरी
(सी) यायावर / खानाबदोश
(डी) जनजातीय

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(डी) 4.(ए) 5.(ए) 6.(ए) 7.(ए) 8. (ए) 9. (बी)

खबर संक्षेप

बेटी जन्म पर कुआं पूजन किया

बाढ़ड़ा। चरखी दादरी जिले में बीते कुछ समय से लिंगानुपात में काफी सुधार देखने को मिला है। हाल की जारी सूची में चरखी दादरी जिला पूरे हरियाणा में पहले स्थान पर रहा है। स्थानीय लोगों की जागरूकता के कारण बेटा बेटी में अंतर नहीं किया जा रहा, जिले के गांव बलाली में बेटी जन्म पर कुआं पूजन कर ग्रामीण डीजे पर थिरके। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की कर्मचारी भी मौजूद रही। गांव बलाली में बीएसएफ जवान अमित के घर बेटी ने जन्म लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग दादरी की सुपरवाइजर दीर्घा व आगनवाड़ी वर्कर पूनम व ज्योत्सना ने बेटी जन्म पर परिजनों को बधाई पत्र दिया। ज्योत्सना ने कहा बेटा बेटी में कोई फर्क नहीं होता, बेटी को हमें बोझ नहीं समझना चाहिए, बेटी गुण एवं संस्कारों से भरी होती है। बेटा होने पर सब कुआं पूजन करते हैं, हमने बेटी के जन्म पर कुआं पूजन की पहल कर समाज को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया है।

नियमित योग ही स्वस्थ जीवन का आधार

बवानीखेड़ा। आयुष विभाग के निर्देशन और हरियाणा योग आयोग के सानिध्य में नियमित रूप से आयुष योग सहायक खंड बवानी खेड़ा के गाँव दुर्जनपुर की व्यायामशाला में सुबह शाम नियमित योग कक्षा लगा रहे हैं गाँव के बच्चे बुजुर्ग महिला हर रोज शामिल होते हैं। आयुष योग सहायक गजानंद कौशिक उपस्थित जन को नियमित योग आसन प्राणायाम शोधन क्त्रिया करवाकर सबका स्वास्थ्य सुदृढ़ बनाने का प्रयास करते हैं योग सहायक गजानंद ने गाँव दुर्जनपुर के सभी ग्रामवासियों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए व्यायामशाला में योग अभ्यास करवाते हैं, जिला आयुष विभाग आयुर्वेद अधिकारी डॉ रश्मि शर्मा योग कॉर्डिनेटर, डॉ. संजय वैद योग विशेषज्ञा, डॉ. निशा खट्टर समस्त जिला भिवानी की योग शालाओं में योग गतिविधि का विश्लेषण व समीक्षा करते रहते हैं।

36 बिरादरी के लोग सरकार से खफा : सिंह

तोशाम। जजपा ने भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से राव बहादुर सिंह को प्रत्याशी बनाया है, हम उनके लिए घर-घर जाकर वोट की अपील करेंगे। उक्त शब्द जजपा नेता दिग्विजय चौटाला ने शुक्रवार को तोशाम में पार्टी कार्यकर्ता ऋषिपाल फोगाट के कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बहादुर सिंह सबसे मजबूत उम्मीदवार हैं। भिवानी डॉ. अजय सिंह चौटाला की कर्मभूमि रही है, यहां से उनको खुद चुनाव लड़ना था, लेकिन कुछ कोर्ट की बंदीशें हैं, जिससे वह चुनाव नहीं लड़ सकते।

पिता की पुण्यतिथि पर किया पौधरोपण

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका के पूर्व प्रधान रहे मदन लाल महता उर्फ डीसी महता की पुण्यतिथि पर उनके पार्षद पुत्र पंकज महता द्वारा जगदीशए ओम प्रकाशए जग्गीए सोम मित्तल द्वारा मिलकर पौधरोपण किया। पंकज महता ने बताया कि उनके पिता ने हमेशा समाज की सेवा के लिए अनेकों कार्य किए हैं और उनके पक्ष में चलते हुए भी वे भी अपनी भूमिका अदा कर रहे है। वहीं उन्होंने बताया कि हम सभी को जन्मोत्सव पर व पुण्यतिथि पर पौधारोपण करना चाहिए ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे।

चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए महिलाओं का अनूठा प्रयोग स्लोगन लिखे मटके सिर पर रख लोक गीतों के साथ निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

लोकसभा चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए महिलाओं ने अनूठा प्रयोग किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने धामण.कुर्ता पहनकर मतदान के स्लोगन लिखे मटके सिर पर रख लोक गीतों के साथ की मतदान की अपील। इस दौरान एसडीएम मनोज कुमार दलाल भी गांव की गलियों में टीम के साथ.साथ चले।

महिलाओं ने हाथों पर शत प्रतिशत मतदान की रंगोली लगाकर भी दिया सन्देश। इससे पहले कार्यक्त्रम में पंहुचे एसडीएम ने पहली बार वोटर बनी छात्राओं के हाथों से पौधा लगवाया व ज्यादा से ज्यादा मतदान का सन्देश दिया।

महिलाओं के इस अनूठे अभियान की गांव ईशरवाल की गली.गली में चर्चा रही। दरअसल, स्वीप कार्यक्रम के तहत शुक्त्रवार को महिला बाल विकास विभाग की ओर से गांव ईशरवाल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं द्वारा धामण.कुर्ता की ड्रेस व मतदान की अपील के साथ रंग.बिरंगे कलर में स्लोगन लिखे मटके सिर पर रख लोक गीतों के साथ गांव की गलियों में प्रचार करते हुए अपील की।

सशक्त लोकतंत्र के लिए महिलाएं अपने मतों का करें प्रयोग : एसडीएम

मतदान का लिया संकल्प

इस दौरान एसडीएम मनोज कुमार दलाल, सीडीपीओ विभूति, स्वीप टीम सदस्य सुपरवाइजर मनोज कुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर जसवंत सिंह के अलावा सुपरवाइजर पंकज भी साथ रहे। कार्यक्रम में महिलाओं को मतदान करने व करवाने का संकल्प दिलाया गया। धामण पहनकर सिर पर रंग.बिरंगे मतदान के सन्देश लिखे मटके लेकर गलियों में घूमकर महिलाओं ने यह संदेश दिया की मतदान जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान जरूर करें। एसडीएम मनोज कुमार दलाल ने कहा कि चुनाव में महिलाओं की भागीदारी अहम है।

तोशाम। महिलाओं की जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

मतदान से मजबूत होगा लोकतंत्र

यदि शत प्रतिशत महिलाएं मतदान करें तो लोकतंत्र मजबूत होगा और वे अपना प्रतिनिधि चुनकर अपने क्षेत्र, समाज और देश की दिशा और दशा तय कर पाएंगी। एसडीएम ने महिलाओं को अपने मत के प्रयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने चुनाव को प्रजातंत्र का मजबूत आधार बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और सरकार के गठन के लिए मतदान करना अनिवार्य है। मतदाता ही सरकार के गुणदोष के मूल्यांकन का वास्तविक हकदार होता है।

एसडीएम ने कहा कि शत प्रतिशत मतदान हो, इसमें महिलाओं की भागीदारी अधिक होनी चाहिए। जब तक महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग नहीं होगी तब तक वह शोषण का शिकार होती रहेगी। मजबूत लोकतंत्र के लिए हम सब की सहभागिता जरूरी है। महिला सर्व शक्तिमान है, जरूरत है उसे अपने शक्ति को पहचानने की। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी बड़ी मजबूती के साथ निभा रही हैं।

इससे पहले तोशाम स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वीप कार्यक्रम किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा मतदान को लेकर जागरूकता रैली निकाली। रैली को एसडीएम मनोज कुमार दलाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार, प्राचार्य सुदेश कुमार यादव, स्वीप टीम सदस्य एसोसिएट प्रोफेसर जसवंत सिंह, स्कूल स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

संस्कृति को बढ़ावा देने में भाषा का अहम योगदान : गुप्ता

अपनी भाषा संस्कृत व हिंदी को अच्छी तरह से जानें विद्यार्थी

वैश्य महाविद्यालय भिवानी के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में संस्कृत साहित्य में ज्ञान-विज्ञान परंपरा पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए।

संस्कृत एवं हिंदी भाषा हमारे प्राचीन शास्त्रों व ऋषि मुनियों की अहम भाषा रही है युवा वर्ग को चाहिए की वह अपनी इन धरोहरो को संभालते हुए इसके प्रचार प्रसार में अपना अहम योगदान दे,उन्हें चाहिए कि वो अपनी विरासत की भाषा संस्कृत एवं हिंदी को अच्छी तरह से जाने यह बात स्थानीय वैश्य महाविद्यालय, भिवानी के संस्कृत विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.संजय गोयल के नेतृत्व एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन गुप्ता की देखरेख में संस्कृत साहित्य में ज्ञान.विज्ञान परंपरा विषय पर आयोजित विस्तार व्याख्यान के शुभारंभ अवसर पर मुख्य वक्ता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संस्कृत प्रकोष्ठ, के निदेशक डॉ. चितरंजन दयाल सिंह कौशल ने कही। शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया।इस अवसर पर मंच का सफल संचालन प्राध्यापिका कल्पना गुप्ता ने किया। विस्तार व्याख्यान में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने स्वागतीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ.संजय गोयल ने कहा कि संस्कृत देव वाणी है । संसार की सबसे समृद्ध भाषा संस्कृत है जिसमें सभी विषयों का ज्ञान है।आज संसार के सभी विकसित देश संस्कृत को कंप्यूटर की भाषा मानते हैं मुख्य अतिथि वैश्य महाविद्यालय प्रबंधन समिति के महासचिव सुरेश गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि आधुनिक युग में युवाओं के लिए संस्कृत और हिंदी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है जो कि युवा वर्ग को अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हिंदी एवं संस्कृत को बढ़ावा देने का कार्य करती है उन्होंने कहां की कहां की भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता का उपदेश संस्कृत भाषा में हरियाणा की पावन धरती कुरुक्षेत्र में दिया था प्रदेश सरकार द्वारा हिंदी एवं संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार के लिए हरियाणा के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों के माध्यम से हिंदी एवं संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं।

संस्कृत साहित्य में ज्ञान विज्ञान पर व्याख्यान

उन्होंने दृष्टि आई ए एस एकेडमी के डायरेक्टर विकास दिव्यकीर्ति का जिक्र करते हुए कहा कि वह अपने देश की मातृभाषा में विद्यार्थियों को आईएएस परीक्षा की तैयारी करवा कर मिसाल कायम कर रहे हैं। इस तरह के आयोजन से युवाओं को अपनी धरोहर भाषाओं के बारे में जानने का अवसर प्राप्त होता है भारत में वैदिक काल से लेकर आज तक प्रचुर साहित्य संस्कृत में रचा गया । महाभारत, रामायण , गीता अर्थशास्त्र वैशेषिक दर्शन आदि महान ग्रंथों में ज्ञान विज्ञान है। हरियाणा साहित्य में संस्कृत अकादमी के संस्कृति प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. चितरंजन दयाल सिंह कौशल ने संस्कृत साहित्य में ज्ञान ,विज्ञान,प्रशासन के भंडार पर व्याख्यान दिया ।

पौधे धरती मां के सच्चे गहने : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

पेड़ पौधे ही धरती माता के सच्चे गहने हैं, धरती माता को सजाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए, बिना पेड़ पौधों के धरती माता का श्रृंगार अधूरा है, उक्त विचार आर्य वमा विद्यालय के अध्यक्ष अशोक शर्मा ने संस्था में पौधरोपण अभियान के दौरान कहे। शर्मा ने कहा कि अध्यापन के साथ अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर शिक्षक सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने अपने जन्मदिन पर सभी शिक्षकों व छात्रों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ या अन्य किसी विशेष अवसर पर अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए, आज बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को देख पेड़ लगाना अनिवार्य हैं, हमारा हरियाणा हरा भरा है, लेकिन हरियाणा में केवल 8% भूभाग पर ही जंगल बचे हैं, यदि हम पेड़ नहीं लगाएंगे तो कल सांस लेना दुभर हो जाएगा। प्राचार्य डॉ. परमेंद्र चित्तौड़िया ने शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

■ आर्य वमा विद्यालय में पौधरोपण

चरखीदादरी। पौधरोपण करते अध्यक्ष अशोक शर्मा व विद्यार्थी।

तोशाम के प्ले स्कूल में रेडीनस मेला आयोजित

तोशाम। आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में स्थित प्ले स्कूल में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के नामांकन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भव्य रेडीनस मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार कर्मचारियों द्वारा बच्चों के अभिभावकों को बच्चों के नामांकन प्रति अधिक से अधिक प्रेरित किया गया। यह भव्य रेडीनस मेला विभाग की सुपरवाइजर कुसुम मलिक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान पहुंचे अभिभावकों को वर्ष भर में बच्चों के द्वारा किए गए मौखिक व लेखन अभ्यास के बारे में बताया गया तथा बच्चों के रिपोर्ट कार्ड वितरित किए गए। कर्मचारियों द्वारा बच्चों की लंबाई व वजन भी किया गया।

कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनते ही 30 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार: धनखड़

चरखी दादरी। केंद्र में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनते ही 30 लाख खाली पड़े पदों पर भर्तियां शुरू की जाएंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व सांसद राहुल गांधी ने युवाओं के लिए पांच गारंटी का ऐलान किया है, ये पांच गारंटिया युवाओं व बेरोजगारों की दशा और दिशा बदल देगी, ये विचार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल धनखड़ ने दादरी विधानसभा क्षेत्र के गांव नरसिंहवास में कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आमजन को ध्यान में रखते हुए पांच गारंटी देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक कैलेंडर जारी करेगी और उसके अनुसार समयबद्ध तरीके से भर्ती की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर्स, रेलवे, सेना, अर्द्धसैनिक बलों, स्वास्थ्य शिक्षा, आंगबाड़ी, आशा वर्कर आदि क्षेत्रों में नए पदों का सृजन कर रोजगार के मौके पैदा किए जाएंगे। धनखड़ ने कहा कि पहली नौकरी पक्की होगी। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष अमन सांगवान, युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नीटू चरखी, प्रवीण तिवाला, राजकुमार, मास्टर सुभाष, लक्ष्मी नारायण सरपंच, रोशन नम्बरदार, कृष्ण शास्त्री, बदलू, अनिल, बाबूराम आदि उपस्थित रहे।

जल्द बनकर तैयार होगा अग्रसेन भवन : तायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

कुछ ही परिवार होते हैं जिनकी गाथा पाई जाती है, सोच कर देख लो किस.किस की महिमा पाई जाती है। यह बात श्री अग्रसेन ट्रस्ट भिवानी के प्रधान रामदेव तायल ने शुक्त्रवार को यहां रोहतक गेट स्थित अपने कार्यालय पर ट्रस्ट के सदस्यों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के प्रधान रामदेव तायल ने बताया कि रोहतक रोड़ गांव निनाण के पास निर्माणाधीन श्री अग्रसेन भवन का निर्माण कार्य जल्द ही पुरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यह भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। भवन में दो बड़े सुसज्जीत हॉल, फाईवस्टार की तर्ज पर 75 कमरे,300 गाडिय़ों की पाकिंर्ग, 200 सीट वाला वातानुकूलित आडिटोरियम हॉल, योगा व मेडिटेशन हॉल तथा सोलर पावर युक्त समेत अन्य अनेक मुलभूत सुविधाओं से युक्त भवन को बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 27 जनवरी 2019 से भवन का निर्माण कार्य आरंभ हुआ था जोकि करोड़ों रूपयों की लागत से तैयार होगा। ट्रस्ट के महासचिव सुरेन्द्र जैन व संरक्षक हरिराम खिचुका ने संयुक्त रूप से बताया कि जिले के सभी अग्रवाल बंधु तह दिल से निर्माण कार्य में लगे हुए हैं।

बेसहारा गायों को सही संरक्षण प्रदान करें

भिवानी। अतिरिक्त उपायुक्त हर्षित कुमार की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में जिला स्तरीय स्पेशल गाय संरक्षण टास्क फोर्स कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीसी ने कमेटी में संबंधित अधिकारियों को गायों के संरक्षण के लिए जरूरी दिशा.निर्देश दिए। कमेटी सदस्य आपसी तालमेल के साथ बेसहारा गायों को सही ढंग से संरक्षण प्रदान करें। बैठक में एडीसी ने गायों के उचित ढंग से संरक्षण व पुनर्वास को लेकर सघन पशुधन विकास प्रयोजना भिवानी के उपनिदेशक एवं कमेटी के सदस्य सचिव डा. रविन्द्र कुमार सहरावत, पशु चिकित्सक चांग डा. राजकुमार, सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ कमेटी में विचार.विमर्श किया।

बिजली निगम चुपके से काट रहा उपभोक्ताओं की जेब : तंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पूर्व बैंक महाप्रबंधक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नरेश तंवर ने कहा कि बिजली निगम चुपके से उपभोक्ताओं की जेब काट रहा है और उनसे नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर उपभोक्ताओं से रुपये वसूले जा रहे हैं। जब कार्यालय में लोग पूछते हैं ये नान एनर्जी चार्ज क्या है तो उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा। ये चार्ज लगाते समय किसी भी उपभोक्ता से इस बारे पूछा तक नहीं जाता और चुपके से ये चार्ज थौंप दिया जाता है। फिलहाल बिलों में जुड़कर आने की वजह से इस बारे में ध्यान गया, क्योंकि इसकी राशि बिल की रीडिंग की राशि से दोगुना तक दी जा रही है। यही प्रक्रिया हर साल दोहराई जा रही है, लेकिन पिछली बार विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा इस मुद्दे को विद्युत मंत्री तक पहुंचाया तथा मुलाकात की। चारों तरफ से उपभोक्ताओं की नाराजगी को देखते हुए सरकार ने इसे रोक दिया था, लेकिन मौका देख निगम द्वारा ये नान एनर्जी चार्ज का तांडव दोबारा से शुरू कर दिया है, जिससे उपभोक्ताओं में भारी रोष बढ़ रहा है। इसी चार्ज के तहत औद्योगिक क्षेत्र के उपभोक्ताओं में रोष है और बिजली बिल ज्यादा बढ़ने के कारण कई उद्योग बंद होने के कगार पर हैं। इस चार्ज को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए, नहीं तो दुकानदार, उद्योगपति व आम उपभोक्ताओं की बैठक बुलाई जाएगी और बिजली कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

■ बिजली बिलों में नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर वसूले जा रहे उपभोक्ताओं से रुपये

पूर्व बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर

धानक समाज गौरव दिवस कल : राजेंद्र

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा स्थित बाबा कमाल धर्मशाला में धानक समाज गौरव दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम रविवार सुबह 10 बजे आयोजित होगा।

जिसमें स्व. अमर सिंह धानक पूर्व मंत्री की 94वीं जयंती मनाई जाएगी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री स्व. अमर सिंह धानक के सुपौत्र अमन राजेन्द्र धानक व पूर्व मंत्री स्व. अमर सिंह धानक की पुत्रवधू एवं राजेन्द्र धानक की पत्नी अनीता प्रसाद शिरकत करेंगें।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सर्व समाज के लोग इस कार्यक्रम में शामिल होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने का कार्य करेंगें। ये जानकारी नमन राजेन्द्र धानक ने दी।

नागरिकों को नहीं करना पड़ेगा पेयजल किल्लत का सामना

भिवानी के जलघरों के टैंक हुए पानी से लबालब

■ डीसी ने नागरिकों से की पेयजल बर्बादी रोकने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सिंचाई विभाग द्वारा नहरों में आठ दिन की आपूर्ति हुई है। इस दौरान विभाग ने जलघरों में पानी पहुंचाने का भरसक प्रयास किया है। बौंद जल सेवाएं मंडल के तहत आने वाले जलघरों के टैंकों को पानी से भर दिया गया है। इससे गर्मी के मौसम में इन गांवों के लोगों को पेयजल की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर डीसी नरेश नरवाल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वे पेयजल को व्यर्थ न बहाएं। पानी की बर्बादी को रोकें। उल्लेखनीय है कि गर्मी बढऩे के साथ ही सिंचाई विभाग द्वारा खरकड़ा हैड से भिवानी सब ब्रांच में पानी की आपूर्ति की गई। सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता गौरव लांबा ने जानकारी देते हुए बताया कि भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी और दादरी फीडर में बौंद जल सेवाएं मंडल के माध्यम से 27 मार्च से चार अप्रैल तक पूरे 8 दिन चलाया गया। विभाग के प्रमुख अभियंता हरियाणा, पंचकुला के मार्गदर्शन में डॉ. सतबीर सिंह कादयान के मार्गदर्शन तथा बिजेन्द्र सिंह नारा, मुख्य अभियंता के प्रयासों से लगातार आठ दिन पानी चलने से किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी मिला। इसके अलावा बौंद सेवाएं जलमंडल के तहत आने वाले जलघरों में पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंचाया गया। लोहारू जल सेवाएं परिमंडल के अधीक्षक अभियंता बलराज चौहान ने बताया कि डीसी नरेश नरवाल के आदेशानुसार ब्लॉक भिवानी के गांव चांग, बामला, सरसा घोघड़ा, कायला, बडाला, सांगा, उमरावत, मानहेरू, नांगल, अजीतपुरा के अलावा दादरी में पडऩे वाले गांव बौंदकलां, बौंद खुर्द, पिलाना, कलानौर, कोलावास,लाम्बा इत्यादि सभी शत.प्रतिशत भर दिए गए हैं। जलघरों में पर्याप्त पानी पहुंचाने तक विभाग के अधिकारियों ने पूरी तत्परता, निष्ठा व लग्न से काम किया है। उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा पेयजल के लिए पानी उपलब्ध करवाया गया है। गर्मी के मौसम में पानी की खपत बढना स्वाभाविक है।

भिवानी। पानी से लबालब जलघर का दृश्य।

कर्मचारियों को स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

भिवानी के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष देवी नागर की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें जिले के सभी आईओएलएम, वीटी, वर्क इंस्ट्रक्टर, एबीआरसी, बीआरपी, स्पेशल टीचर्स आदि ने भाग लिया। अधिकारी में उपस्थितजनों को बताया कि प्रवेश उत्सव के दौरान विद्यालय में छात्र संख्या में बढ़ोतरी करवानी है, ड्रॉप आउटए आउट ऑफ स्कूल चिल्ड्रन बच्चों पर विशेष ध्यान देना हैए विभाग की सभी सूचनाओं का आदान.प्रदान समय पर करना है, दिव्यांग बच्चों की सूची बनकर तैयार करने हैं, विद्यालय में जाकर मॉनिटरिंग करने की बात कही। उन्होंने कर्मचारियों को समय पर विजिट करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एपीसी कर्मवीर, एपीसी विवेक अधलखा सहित अन्य मौजूद रहे।

सूचना

मैं, सुरेश कुमारी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह निवासी वार्ड नम्बर 8 लोहारू, जिला भिवानी, हरियाणा बयान करती हूं कि मैंने मेरे पुत्र रजनेश व पुत्रवधु निशा को दिनांक 11.04.2023 को बेदखल कर दिया था। अब मेरा पुत्र रजनेश और पुत्रवधु निशा मेरे कहने सुनने में हैं और मेरी हर बात मानते हैं। इसलिए मैं अब इनको अपनी चल अचल सम्पत्ति में शामिल करती हूं।

खबर संक्षेप

तोशाम। कार्यक्रम में उपस्थित आंगनवाड़ी वर्कर्स व महिलाएं।

खेल-खेल में बच्चों को सिखाई जाएगी पढ़ाई

तोशाम। गांव ढाणी जाटान में प्ले स्कूल में रेडीनेस मेले का आयोजन किया। सीडीपीओ लाजवंती ने बताया कि एक अप्रैल से प्ले स्कूलों में दाखिले आरम्भ हैं। मेले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा प्ले स्कूल में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। मेलों में बच्चों के शारीरिक विकास, सामाजिक, भावनात्मक विकास, भाषा विकास और गणित विकास आदि गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि प्ले स्कूल के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में पढ़ना लिखना सिखाया जाएगा। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर नीलम ने बताया कि प्ले स्कूल में बच्चों का शारीरिक तथा बौद्धिक विकास किया जाएगा। इस मौके पर अध्यापक मनोज यादव व विकास, आंगनवाड़ी वर्कर मुकेश, आंगनवाड़ी हेल्पर निर्मला आदि उपस्थित रही।

ओमवीर बने राजपूत सभा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष

भिवानी। राजपूत धर्मशाला में हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा की भिवानी व चरखी दादरी जिला की बैठक का आयोजन किया। इस दौरान सभा के जिलाध्यक्ष सतीश परमार चांगिया ने जिला कार्यकारिणी घोषित की, जिनमें कर्नल समय सिंह को मुख्य जिला संरक्षक, कर्नल गजराज सिंह को जिला संरक्षक, पूर्व डीजीएम अजीत सिंह तंवर को जिला संरक्षक नियुक्त किया हैं। वहीं ओमवीर सिंह तंवर को सभा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष, विरेंद्र सिंह तिगड़ाना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विरेंद्र सिंह जाटु लोहारी व सुरेंद्र सिंह आशियान पाना को उपाध्यक्ष, धर्मपाल सिंह पालुवास को महामंत्री, सीए दिनेश चौहान को संयुक्त महामंत्री, बृजपाल सिंह परमार को कोषाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह चौहान, भिवानी रोड़वेज टीएम भरतपाल सिंह परमार व यशपाल परमार को मुख्य सलाहकार, सत्येंद्र परमार को कानून प्रकोष्ठ प्रभारी, विनीत तंवर बवानीखेड़ा को प्रैस सचिव, महेंद्र सिंह छपार को ऑडिटर तथा गोपाल सिंह चौहान को युवा अध्यक्ष बनाया गया।

विद्यार्थियों ने लघु नाटिका व रागनी के माध्यम से मतदान का दिया संदेश

स्वीप टीम ने गांव झींझर के लोगों को किया मतदान के प्रति जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

शुक्रवार को झींझर में स्वीप टीम ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया, जिसके अंतर्गत गांव के स्कूल, छोटूराम चौपाल व मंदिर में उपस्थित बुजुर्गों व युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए कम प्रतिशत मतदान वाले क्षेत्र में अधिकाधिक मतदान करने का आह्वान किया। टीम ने गांव के राजकीय वमा स्कूल में कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, आंगनबाड़ी व आशा वर्कर्स व विद्यार्थियों को वोटर हेल्पलाइन एप या सीधे तौर पर बीएलओ के माध्यम से फॉर्म नंबर 6 भर 26 अप्रैल तक नए वोट बनवाने एवं मतदान प्रतिशत बढ़ाने के बारे में जागरूक किया। स्कूल के विद्यार्थियों ने लघु नाटिका व रागनी के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान का संदेश देते हुए जागरूकता रैली निकाली। प्राचार्य पूनम ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। खंड शिक्षा अधिकारी राजबाला फौगाट के नेतृत्व में स्वीप ने स्कूल के अतिरिक्त बस स्टैंड, छोटूराम चौपाल, दादूराम आश्रम व मंदिर में उपस्थित युवाओं व बुजुर्गों को मताधिकार व मतदान के प्रति जागरूक कर नए वोट बनवाने व 85 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजर्गो को घर से मतदान करने की बात कही। स्वीप टीम प्रभारी डॉ. सतीश साहू व जिला एनएसएस समन्वयक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि घर घर जाकर मतदाताओं को जागरूक किया जाए और निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल करके चुनाव संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर मिडल हैड हरिप्रकाश, अशोक डीपीई के अलावा स्वयं सहायता समूह सदस्य, आंगनबाड़ी वर्कर, आशा वर्कर, स्टॉफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चरखी दादरी। मतदान के लिए ग्रामीणों को जागरूक करती स्वीप टीम।

प्रत्येक मतदान केन्द्र में हो बिजली पानी की सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनदीप कौर ने लोकसभा आम चुनावों की तैयारियों का जायजा लेते हुए जिले के विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी मतदान केंद्रों पर बिजली तथा पानी की पर्याप्त आपूर्ति के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उपायुक्त ने दोनों सहायक रिटर्निंग अधिकारियों से चुनाव तैयारियों की रिपोर्ट ली। सहायक रिटर्निंग अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया है तथा उनमें अशक्त व्यक्तियों की सुविधा के लिए रैम्प बनवाए जा रहे हैं।

- सहायक रिटर्निंग अधिकारियों से चुनाव तैयारियों की रिपोर्ट ली

सहायक रिटर्निंग अधिकारियों ने बताया कि मतदान केंद्रों पर लोकसभा, विधानसभा क्षेत्र तथा मतदान केंद्र का नम्बर अंकित करवा दिया गया है। उपायुक्त ने सहायक रिटर्निंग अधिकारियों से कहा कि वे नए वोट बनाने के लिए प्राप्त हो रहे फार्मों का साथ-साथ निपटारा करते रहें ताकि वोट बनाने की प्रक्रिया सरल हो सके। नए मतदाता का नाम सूची में चढ़ाने से पहले सहायक रिटर्निंग अधिकारी को स्वयं की संतुष्टि करनी होती है कि वह व्यक्ति वास्तव में इस क्षेत्र का मतदाता है और किसी प्रकार की बोगस वोट नहीं बनवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि एआरओ मतगणना केंद्रों का निरीक्षण भी करें।

जिला प्रशासन ने तैयार किया चुनाव कम्युनिकेशन प्लान

चरखी दादरी। लोकसभा चुनावों में हर मतदान केन्द्र पर निर्वाचन आयोग की निगरानी रहेगी, इसके लिए जिला प्रशासन ने आयोग के निर्देशों पर कम्यूनिकेशन प्लान तैयार किया है जो शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न करवाने में सहायक होगा। प्लान के तहत हर मतदान केन्द्र के लिए एक निष्पक्ष व्यक्ति का सम्पर्क नम्बर आयोग के पास होगा, जिससे आयोग मतदान के बारे में जब चाहे जानकारी प्राप्त कर लेगा। कम्यूनिकेशन प्लान बनाने का कार्य अंतिम चरण में है, ये जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनदीप कौर ने दी। उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर जिला प्रशासन ने एक कम्युनिकेशन प्लान बनाया है, जिसके तहत लोकसभा चुनाव के हर एक मतदान केन्द्र पर सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए किसी निष्पक्ष व्यक्ति का फोन नम्बर आयोग को भेजा जाएगा। इस लिहाज से जिले के सभी 482 मतदान केंद्रों पर आयोग की निगरानी रहेगी और गड़बड़ होने पर उसकी सूचना तुरन्त आयोग के पास पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए निष्पक्ष व्यक्तियों की पहचान में पूरी सतर्कता बरती जा रही है, ऐसे व्यक्ति का ही फोन नम्बर आयोग को भेजा जाएगा जो किसी भी राजनीतिक पार्टी से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ना जुड़ा हो।

- प्रत्येक मतदान केन्द्र पर रहेगा आयोग का संपर्क

भिवानी। बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हरियाणा जागृति मोर्चा के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

लोगों को दी संवैधानिक अधिकार की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी/बवानीखेड़ा

- डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में बलियाली में कार्यक्रम

बलियाली में हरियाणा जागृति मोर्चा ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में प्रथम दिन लोगों को संवैधानिक अधिकार व कर्तव्य की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा हलका प्रधान जयबीर आल्हान व आंबेडकर सभा बलियाली के प्रधान रमेश धानिया ने संयुक्त रूप से की। मोर्चा के अध्यक्ष अधिवक्ता राजेश सिंधू, लीगल सैल प्रधान अजय भुक्कल, प्रभारी राजेंद्र सुई व जिला प्रधान सुरेश बिधवान ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। लीगल सैल की टीम में मोर्चा के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र सुई व सहयोगी शुभम मेहरा, संदीप बामला ने संविधान में अंकित अनुच्छेद-19 व 21 के बारे में बताकर व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, सुरक्षा व विचारों की अभिव्यक्ति के बारे विस्तार से चर्चा की। अधिवक्ता सिंधू ने कहा कि मोर्चा के लीगल सैल का मुख्य उद्देश्य आम, गरीब, मजदूर, पीड़ित की मदद करना है, कोई भी पीड़ित व्यक्ति अगर मोर्चा से न्याय की गुहार करता है तो उसके लिए मोर्चा देश में स्थापित कानूनी सहायता प्राधिकरण की तरह निःशुल्क न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। इस अवसर पर डॉ. गजेंद्र, प्रवीण आल्हान, अनूप प्रधान, धर्मचंद, अमरसिंह पंच, कर्मपाल, डॉ. हवासिंह, मोर्चा के फाउंडर मेंबर, जगदीश भौरिया, रमेश रेढू, समाजसेवी संजय चौहान, संदीप चोपड़ा, कमल आदि मौजूद थे।

इनसो के अध्यक्ष दिग्विजय ने किया लोहारू अनाजमंडी का दौरा

लोहारू। इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने शुक्रवार को लोहारू हलके का दौरा करते हुए लोहारू अनाजमंडी का निरीक्षण किया और सरसों खरीद को लेकर किसानों और आढ़तियों से बातचीत की। वे लोहारू में कृष्ण सैनी, भुवनेश सपड़ा, स्वर्गीय श्यामसुंदर जोशी और आकाश स्वामी के आवास पर परिजनों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा से उनका गठबंधन टूट चुका है तथा जेजेपी विपक्ष की भूमिका में है और भाजपा को पराजित करने का हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि नवरात्रे के पहले दिन जेजेपी प्रदेश की सभी दस लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगी।

आंबेडकर जयंती समारोह में पहुंचने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- आंबेडकर ने हर वर्ग को समान रूप से आगे बढ़ने का दिया मौका

सर्व हितकारी अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा बीटीएम चौक पार्क में 14 अप्रैल को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 133वीं जयंती सर्व जन अधिकार संकल्प दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई जाएगी। सोसाइटी के उपाध्यक्ष सुरेश ने बताया कि जयंती समारोह में बतौर मुख्यतिथि पूर्वमंत्री एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ शिरकत करेंगे तथा हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज का सान्निध्य रहेगा। इनके अलावा नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप, नप के वाइस चेयरमैन सतेंद्र मोर, दलवीर उमरा, राजेंद्र जगोपाल, मास्टर सुरेश, डॉ. सतीश खटक, डॉ. राजीव शर्मा, विनोद सांगा, चिरंजीलाल सांवरिया, प्रेमलता भुक्कल, सुनीता, मनीषा बिड़ला, जगमोहन बौद्ध, मनीष गुरेजा, सुरेश प्रजापति, चरणसिंह, दहिया भी विशेष तौर पर पहुंचेंगे। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे 14 अप्रैल को बीटीएम चौक पार्क में पहुंचकर बाबा साहेब को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित करें। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने बराबरी का अधिकार देते हुए संविधान में ऐसी व्यवस्थाएं की कि समाज का हर वर्ग समान रूप से आगे बढ़ सकें।

फसल कटाई के दौरान सतर्कता बरतें किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

किसान सतर्क रहें और फसल काटते व निकालते समय सावधानियां बरतें तो गर्मियों में आग लगने के कारण होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

उपायुक्त मनदीप कौर ने कहा कि बिजली वितरण प्रणाली के कारण होने वाली आग की ज्यादातर दुर्घटनाएं असावधानी के कारण होती हैं। खलियान में फसल का ढेर बिजली की लाईन के समीप व उसके नीचे होना खतरनाक है, ढ़ेर के लाइन के नीचे होने से दुर्घटना का खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को चाहिए कि खलियान बिजली की लाइनों से दूर ही बनाएं।

आमतौर पर किसान नलकूप व आराम करने की जगह के समीप खलियान बनाते हैं, जिसमें फसलें सुरक्षित नहीं होती, यदि नलकूप की दिशा में खलियान बना हो जिस दिशा में बिजली का ट्रांसफार्मर स्थापित है या बिजली की लाइनें हैं तो दुर्घटना का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि फसल काटने वाली कंबाइन की ऊंचाई ज्यादा होती है, इसलिए बिजली की लाईन वाले खेत में मशीन से फसल काटते समय अति सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसलों में आग लगने की बहुत सी दुर्घटनाएं बीड़ी की चिंगारी गिरने या बीड़ी या सिगरेट सुलगाने के बाद माचिस की जलती तिल्ली असावधानी पूर्वक फेंकने से भी होती है। लम्बे समय तक लगातार ट्रैक्टर या थ्रेसर तथा कम्बाइन चलाने से भी चिंगारी निकलने से दुर्घटनाएं होने की सम्भावना होती है, जिसमें सावधानी रखकर संभावित आग की दुर्घटना से बचा जा सकता है।

- खलिहान में आग लगने की घटनाओं में कमी लाने का करें प्रयास

वॉलीबाल के विजेता खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

- गांव जेवली में तीन दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

बाढड़ा। गांव जेवली में खिलाड़ियों से परिचय लेते मुख्यातिथि उमेद सिंह पातुवास।

गांव जेवली में तीन दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। समाजसेवी उमेद सिंह पातुवास ने शुक्रवार को बतौर मुख्यतिथि पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय लिया और उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्यतिथि ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर आयोजक कमेटी ने पातुवास का फूल मालाओं से स्वागत किया और सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाई। मुख्यतिथि उमेद सिंह ने कहा कि ग्रामीणों ने सम्मान का प्रतीक जो पगड़ी उनके सिर पर रखी है, वे उसका सदा मान रखेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, उन्हें सही मार्गदर्शन और उचित सुविधाएं प्रदान की जाए तो ग्रामीण आंचल के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय पटल पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए खेल खेलना चाहिए। इस दौरान बाढ़ड़ा बीडीसी चेयरपर्सन प्रतिनिधि आनंदसिंह फौजी, मुकेश जेवली, राहुल आदि मौजूद थे।

शिविर में उमड़ी उपभोक्ताओं की भीड़

दो दिन और लगेगा सेक्टर 13 में पीआईडी दुरुस्त करने का शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शुक्रवार को वार्ड संख्या दो के उपभोक्ताओं की पीआईडी में आई त्रुटियों को दूर करने के लिए पार्षद संदीप यादव की अगुवाई में सेक्टर.13 में शिविर का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित पीआईडी दुरुस्त करने के शिविर में लोगों की अच्छी खासी भीड़ उमड़ी। लोगों ने पार्षद संदीप यादव से दो दिन ओर सेक्टर 13 में पीआईडी दुरुस्त करवाने के शिविर का आयोजन किए जाने की मांग की। जिस पर पार्षद संदीप ने डीएमसी नगरपरिषद से दो दिन अतिरिक्त पीआईडी दुरुस्त करने का शिविर लगवाने जाने की गुजारिश की। जिस पर डीएमसी ने तत्काल हां कर दी। अब शनिवार व रविवार को सेक्टर 13 में पीआईडी दुरुस्त करने का शिविर आयोजित किया जाएगा। पार्षद संदीप यादव ने बताया कि उक्त शिविर में जिस भी व्यक्ति की सम्पति के नाम व अन्य तथ्यों में कोई त्रुटि हो तो उसको तत्काल दूर करवाया गया। ताकि भविष्य में किसी तरह की प्रोपर्टी के नाम व अन्य तथ्यों में कोई छेड़ख़ानी न हो पाए। जिसमें लोगों की प्रोपर्टी से संबंधित सारी समस्याओं का निपटारा करवाया जाएगा। इस मौके पर पार्षद सुभाष तंवर, एमई सुरेंद्र सांगवान ,अशोक सांगवान, जगदीप यादव, राकेश पंवार, महेंद्र सोनी आदि मौजूद थे।

- प्रॉपर्टी संबंधी समस्याओं का निपटारा करवाया जाएगा

भिवानी। आयोजित शिविर में उपभोक्ताओं की पीआईडी में त्रुटियों को ठीक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तय समय पर हो सरसों की खरीद एवं भुगतान : कमल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- शर्तें थोंपकर किसानों को बेवजह किया जा रहा परेशान

कमल सिंह प्रधान

हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है, जहां 60 से 70 फीसदी आबादी खेतीबाड़ी से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। इस समय गेहूं की कटाई शुरू हो चुकी है और दक्षिण हरियाणा में सरसों की खरीद शुरू हो चुकी है, पर खरीद न तो समय पर हो रही और न उठान हो रहा, ये आरोप युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने सरकार व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर लगाया हैं। किसान अलसुबह मंडियों में सरसों लेकर आते हैं तो शाम तक खरीद नहीं हो पाती और निराश होकर उन्हें या तो वापस लौटना पड़ता हैं या फिर ओने पोन भाव में अपनी फसल को बेचने का मजबूर होना पड़ता हैं। खरीद अधिकारी व कर्मचारी किसी न किसी बहाने उनकी सरसों में कमी निकालकर सरकारी खरीद से किसानों को वंचित कर रहे हैं। प्रदेश सरकार एक तरफ 14 फसलें एमएसपी पर खरीदने का दावा करती है, वहीं जब खरीद का समय आता है तो बेवजह की शर्तें थोंपकर किसानों को परेशान किया जाता है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि सरसों की खरीद को लेकर थोंपी गई शर्तों को सरल कर तय समय पर किसानों की सरसों खरीदी एवं उठान किया जाए और दो तीन दिन तक किसानों के पैसों का भुगतान हो, ताकि किसान अगली फसल की बिजाई कर सकें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

गांव रेवाड़ी खेड़ा में 16 दिवसीय भिवानी प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन

कमांडर वारियर्स ने 6 विकेट से लोहारू लायंस को हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गांव रेवाड़ीखेड़ा के ठाकुर आजाद सिंह खेल स्टेडियम में अमित वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा रणजी खिलाड़ी स्व. अमित वशिष्ठ की याद में 16 दिवसीय भिवानी प्रीमियर क्रिकेट लीग के 7वें दिन पहला मैच लोहारू लायंस व कमांडर वारियर्स तथा दूसरा मैच बाढड़ा बुल्स व तोशाम टाईगर्स के बीच हुआ। पहले मैच में बतौर मुख्यतिथि संजीव कुमार तथा दूसरे मैच में नरेंद्र नेहरू, दीपक, अनिल शर्मा, सत्यनारायण शर्मा पहुंचे। मुख्यतिथियें ने टॉस करवाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाया। फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने बताया कि लीग के 7वें दिन पहला मैच लोहारू लायंस व कमांडर वारियर्स के बीच हुआ, जिसमें कमांडर वारियर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। लोहारू लायंस ने पहले बल्लेबाजी कर 154 रन बनाए। सर्वाधिक विनोद ने 53 रन, नीरज शर्मा और अंकित ने 27-27 रन बनाए। गेंदबाजी में बिंदु पोस्ला ने 4 व कप्तान विपिन राव ने 2 विकेट लिए। कमांडर वारियर्स ने लक्ष्य का पीछा कर 6 विकेट से मैच जीत लिया। सर्वाधिक अजय ठाकुर ने नाबाद 80 रन, विनोद ने 53 रन व सुमित ने 29 रन बनाए। वहीं दूसरा मैच बाढ़ड़ा बुल्स और तोशाम टाईगर्स के बीच हुआ। बाढ़ड़ा बुल्स के शशीकांत ने 30, सोमबीर जांगड़ा ने 29, अजीत जाखड़ ने 23 रन बनाए। वहीं अनुज तंवर ने 3 विकेट ली। तोशाम टाईगर्स ने लक्ष्य का पीछा कर 5 विकेट से मैच जीता। मनीष ढ़िल्लो ने सर्वाधिक 93 रन बनाए और मैन ऑफ दी मैच चुने गए।

भिवानी। भिवानी प्रीमियर लीग मैच के दौरान खेलते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

अजय व अमन की आवाज के कायल हुए दर्शक

लीग में अजय शर्मा व अमन शर्मा अपनी आवाज से सभी का दिल जीत रहे है। लोगों का ऐसा कहना है कि दोनों ही कमेंटेटर्स ने प्रतियागिता में चार चांद लगा दिए, जहां अजय जम्मू-कश्मीर के रिसायी गांव के रहने वाले है, वही अमन उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के बिधूना नगर के उभरते एंकर है। अजय को लगभग 20 वर्षो का अनुभव है, वे 8 वर्ष की आयु से ही मंच में प्रस्तुति दे रहे हैं।